भोपाल, रविवार, 24 जुलाई 2016
Epaper-lokmaya.co.in
12

कई देशों में विजिटिंग प्रोफेसर के रुप में कर चुके हैं अध्यापन

प्रो. शास्त्री बने सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि के नए कुलपति

भोपाल, संवाददाता।

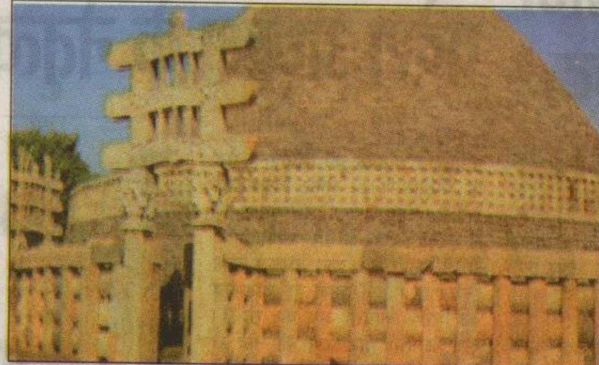

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डॉ. यजनेश्वर शास्त्री को नया कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. शास्त्री भारतीय दर्शन, धर्म और संस्कृत के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वान हैं और अमेरिका समेत कई देशों में विजिटिंग प्रोफेसर के रुप में पढ़ा चुके हैं। उन्होंने भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन, जैन अध्ययन और हिंदू धर्म पर 14 किताबें लिखी हैं एवं कई किताबों का संपादन एवं समीक्षा का कार्य किया है। उनके नाम अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर 120 से ज्यादा शोध-पत्र हैं एवं वे 1993 से बतौर विजिटिंग प्रोफेसर, अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, क्लीवलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी और लोयाला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी समेत कई विश्वविद्यालयों में बौद्ध अध्ययन, तुलनात्मक धर्म और संस्कृत एवं उपनिषद पढ़ा रहे हैं। महायान और वज्रयान बुद्धिज्म पर गहन शोध के साथ संस्कृत के प्रकांड विद्वान प्रो शास्त्री का ईशोपनिषद पर वृहद कार्य है एवं उन्होंने श्रीविद्या पर भी गहन शोध किया है। फिलहाल प्रो. शास्त्री इंटरनेशनल सेंटर ऑफ थॉट एवं नालंदा इंटरनेशनल सेंटर के मानद निदेशक का कार्य देख रहे हैं। गुजरात विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के मुखिया रह चुके प्रो. शास्त्री गुजरात विवि के मनोविज्ञान, शिक्षा और दर्शन केंद्र के निदेशक भी रह चुके हैं। मुंबई विश्वविद्यालय से स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट की उपाधि रखने वाले प्रोफेसर शास्त्री के पास संस्कृत की शास्त्री और आचार्य उपाधि भी है। उन्हें यूनिवर्सल पीस फेडरेशन ऑफ कोरिया द्वारा 2006 में अंबेसेडर ऑफ पीस से सम्मानित किया जा चुका है। अध्ययन के दौरान प्रो. शास्त्री को 1971 में भारतीय विद्या भवन द्वारा कुलपति स्वर्ण पदक दिया गया था। उन्हें 1975, 76 एवं 1977 में उपराष्ट्रपति की ओर से विशिष्ट स्कॉलरशिप भी प्राप्त हुई थी। महामहिम राज्यपाल और सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष रामनरेश यादव ने प्रोफेसर यजनेश्वर शास्त्री की नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 4 वर्ष या 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने की तिथि (जो भी पहले हो) तक की है।

पीपुल्स समाचार
भोपाल, रविवार 24 जुलाई 2016
07

गणितज्ञ भी थे बुद्ध और महावीर

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव का सांची विवि में संबोधन

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

सांची बौद्ध-भारतीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र 2016-17 का शनिवार को शुभारंभ हो गया। विवि के प्रभारी कुलपति और मप्र शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने पीएचडी, एमफिल और एमए के छात्रों का स्वागत किया।

उन्होंने छात्रों को बधाई दी कि आज के दौर में जब छात्र तकनीकी और आधुनिक ज्ञान में प्रवेश के लिए लालायित हैं, धारा से विपरीत बौद्ध दर्शन और भारतीय दर्शन के विषयों को चुना है। मनोज श्रीवास्तव ने गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी का जिक्र करते हुए कहा कि गौतम बुद्ध को 1-400 तक की संख्या के घन मुखाग्र याद थे। महावीर स्वामी ने वैशाली गणित प्रणाली की स्थापना की थी और वो गणितज्ञ भी थे। इनके बारे में हमें कभी बताया ही नहीं गया। कुलपति के अनुसार पूर्व समय में ये धर्मगुरु सिर्फ धर्म की ही स्थापना नहीं करते थे, बल्कि तब धर्म, वह था जो कि व्यक्ति जगत से धारण करता था। कुलसचिव राजेश गुप्ता ने कहा कि सांची विवि की स्थापना का उद्देश्य नए ज्ञान को सृजित करना है।

दैनिक भास्कर
भोपाल, रविवार 24 जुलाई, 2016 | 7

भगवान बुद्ध और महावीर भी थे गणितज्ञ : श्रीवास्तव

सांची विवि के अकादमिक सत्र में बोले प्रभारी कुलपति

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

भगवान बुद्ध और महावीर गणितज्ञ भी थे। गौतम बुद्ध को 1 से 400 तक की संख्या के घन मुखाग्र याद थे। इसी प्रकार महावीर स्वामी ने वैशाली गणित प्रणाली की स्थापना की थी और वो गणितज्ञ भी थे। लेकिन इनके बारे में हमें कभी बताया ही नहीं गया। यह कहना है विवि के प्रभारी कुलपति और मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव का। वे शनिवार को शुरू हुए विवि के अकादमिक सत्र 2016-17 के आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास से जुड़ी कई बातें हैं जिनका अभी भी सामने आना बाकी है। उन्होंने कहा कि सांची विवि की नींव संस्कारों पर रखी गई है और भविष्य में भी यह विवि सूचना नहीं बल्कि विश्व को संस्कार देगा। वहीं, कुलसचिव राजेश गुप्ता ने कहा कि विवि अपने शोधार्थियों के माध्यम से ज्ञान का सृजन करेगा। क्योंकि शोधार्थी ही सांची विविके ब्रांड एम्बेसडर हैं। उन्होंने शास्त्र और शिक्षकों की भी पुनर्स्थापना की बात कही। सांची विवि में शनिवार को ही चीनी भाषा के एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए इंटरव्यू भी आयोजित किए गए। 34 छात्रों ने इसमें रुचि दिखाई है। इन इंटरव्यू में शामिल होने के लिए आईटीबीपी के जवान भी पहुंचे।

भोपाल, रविवार, 24 जुलाई 2016
राष्ट्रीय हिन्दी मेल

महान गणितज्ञ थे भगवान बुद्ध और महावीर

भोपाल। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र 2016-17 का आज दिनांक 23 जुलाई 2016 को शुभारंभ हो गया। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति और मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने पीएचडी, एमफिल और एमए के छात्रों का स्वागत किया।

उन्होंने छात्रों को बधाई दी कि आज के दौर में जब छात्र तकनीकी और आधुनिक ज्ञान में प्रवेश के लिए लालायित हैं उस दौर में इन छात्रों ने धारा से विपरीत जाते हुए बौद्ध दर्शन और भारतीय दर्शन के विषयों को चुना है। सांची विवि एक ऐसी विवि है जो भौतिक वायदे नहीं करता और संयम व तपस्या के जरिये विचार को जागृत करने का कार्य करेगा। अकादमिक सत्र के स्वागत कार्यक्रम में श्री मनोज श्रीवास्तव का कहना था कि सांची विश्वविद्यालय की नींव संस्कारों पर रखी गई है और भविष्य में भी यह विश्वविद्यालय सूचना नहीं बल्कि विश्व को संस्कार देगा।

उनका कहना था कि इस

दैनिक ब्लिट्ज टुडे
24 जुलाई 2016

भगवान बुद्ध गणितज्ञ भी थे, उन्हें 1 से 400 तक की संख्या के घन याद थे

भोपाल, संवाददाता।

भगवान बुद्ध और महावीर गणितज्ञ भी थे। गौतम बुद्ध को 1-400 तक की संख्या के घन मुखाग्र याद थे। इसी प्रकार से महावीर स्वामी ने वैशाली गणित प्रणाली की स्थापना की थी और वो गणितज्ञ भी थे। उनका कहना था कि इनके बारे में हमें कभी बताया ही नहीं गया।

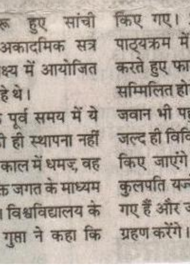

यह कहना है विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव का। वे शनिवार को शुरू हुए सांची विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र 2016-17 के उपलक्ष्य में आयोजित कायज्क्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूर्व समय में ये धर्मगुरु सिर्फ धर्म की ही स्थापना नहीं करते थे, बल्कि उस काल में धमज्, वह होता था जो कि व्यक्ति जगत के माध्यम से धारण करता था। विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य डिग्रियां बांटना नहीं है बल्कि नए ज्ञान को सृजित करना, उसे गढ़ना है और विश्वविद्यालय अपने शोधाथिज्यों के माध्यम से ऐसा करेगा। उनका कहना था कि शोधार्थी ही सांची विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेसडर हैं और हमें शास्त्र और शिक्षकों की भी पुनस्थाज्पना भी करना है। सांची विश्वविद्यालय में शनिवार को ही चीनी भाषा के एक वषीज्य सटिज्फकेट पाठ्यक्रम के लिए इंटरव्यू भी आयोजित किए गए। 34 विद्यार्थियों ने इस पाठ्यक्रम में अपनी रुचि प्रदशिज्त करते हुए फार्म भरे थे। इन इंटरव्यू में सम्मिलित होने के लिए आईटीबीपी के जवान भी पहुंचे। इंटरव्यू के परिणाम जल्द ही विवि की वेबसाइट पर घोषित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के नए कुलपति यज्नेश्वर शास्त्री नियुक्त किए गए हैं और जल्द ही वो अपना पदभार ग्रहण करेंगे।

लोकमाया

विश्व को संस्कार और विचार देकर भारत को पुनर्स्थापित करेगा सांची विश्वविद्यालय

महान गणितज्ञ थे भगवान बुद्ध और महावीर

■ रायसेन, संवाददाता।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र 2016-17 का आज 23 जुलाई 2016 को शुभारंभ हो गया। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति और मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने पी.एच.डी, एम.फिल और एम.ए के छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने छात्रों को बधाई दी कि आज के दौर में जब छात्र तकनीकी और आधुनिक ज्ञान में प्रवेश के लिए लालायित हैं उस दौर में इन छात्रों ने धारा से विपरीत जाते हुए बौद्ध दर्शन और भारतीय दर्शन के विषयों को चुना है। सांची विवि एक ऐसा विवि है जो भौतिक वायदे नहीं करता और संयम व तपस्या के जरिये विचार को जागृत करने का कार्य करेगा।

अकादमिक सत्र के स्वागत कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति और मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय की नींव संस्कारों पर रखी गई है और भविष्य में भी यह विश्वविद्यालय सूचना नहीं बल्कि विश्व को संस्कार देगा। उनका कहना था कि इस विश्वविद्यालय का जोर विचार पर होगा.....और यह उस भारत को पुर्नस्थापित करने की प्रक्रिया का हिस्सा बनेगा जिसे कुछ लोग मानते हैं कि वो अंग्रेजों के शासनकाल और उनकी शासन व्यवस्था के दौरान कहीं खो गया था।

श्री मनोज श्रीवास्तव ने गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी का जिक्र करते हुए कहा कि गौतम बुद्ध को 1-400 तक की संख्या के घन(बनइम) मुखाग्र याद थे। इसी प्रकार से महावीर स्वामी ने वैशाली गणित प्रणाली की स्थापना की थी और वो गणितज्ञ भी थे। उनका कहना था कि इनके बारे में हमें कभी बताया ही नहीं गया। कुलपति के अनुसार पूर्व समय में ये धर्मगुरु सिर्फ धर्म की ही स्थापना नहीं करते थे बल्कि उस काल में धर्म, वह होता था जो कि व्यक्ति जगत के माध्यम से धारण करता था। उनका कहना था कि आज से प्रारंभ हुए इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से सांची विश्वविद्यालय विश्व पटल पर एक नई लकीर खींचेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री राजेश गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य डिग्रियां बांटना नहीं है बल्कि नए ज्ञान को सृजित करना, उसे गढ़ना है और विश्वविद्यालय अपने शोधार्थियों के माध्यम से ऐसा करेगा।

आयोजन } सांची विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र का हुआ शुभारंभ

विश्व को संस्कार और विचार देने का काम करेगा विवि: श्रीवास्तव

« स्वदेश संवाददाता। भोपाल

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र का शनिवार को शुभारंभ हो गया। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति और मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव ने पी.एच.डी, एम.फिल और एम.ए के छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने छात्रों को बधाई दी कि आज के दौर में जब छात्र तकनीकी और आधुनिक ज्ञान में प्रवेश के लिए लालायित हैं उस दौर में इन छात्रों ने धारा से विपरीत जाते हुए बौद्ध दर्शन और भारतीय दर्शन के विषयों को चुना है। सांची विवि एक ऐसा विवि है जो भौतिक वायदे नहीं करता और संयम व तपस्या के जरिये विचार को जागृत करने का कार्य करेगा। अकादमिक सत्र के स्वागत कार्यक्रम में मनोज श्रीवास्तव का कहना था कि सांची विश्वविद्यालय की नींव संस्कारों पर रखी गई है और भविष्य में भी यह विश्वविद्यालय सूचना नहीं बल्कि विश्व को संस्कार देगा। उनका कहना था कि इस विश्वविद्यालय का ज़ोर विचार पर होगा और यह उस भारत को पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया का हिस्सा बनेगा जिसे कुछ लोग मानते हैं कि वो अंग्रेज़ों के शासनकाल और उनकी शासन व्यवस्था के दौरान कहीं खो गया था।

डिग्री की बजाय ज्ञान अर्जित क

विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य डिग्रियां बांटना नहीं है बल्कि नए ज्ञान को सृजित करना, उसे गढ़ना है और विश्वविद्यालय अपने शोधार्थियों के माध्यम से ऐसा करेगा। उनका कहना था कि शोधार्थी ही सांची विश्वविद्यालय के [illegible] हैं और हमें शास्त्र और शिक्षकों की भी पुर्नस्थापना भी करना है। श्री गुप्ता का कहना था कि नए ज्ञान के सृजन के लिए धारणा के स्तर पर कार्य करना होगा, जिसके लिए आधार हमारे मूल्य और नीति शास्त्र हैं। उनका कहना था कि अगर दर्शन के प्रति हमारी दृष्टि स्पष्ट नही होगी को कुछ हज़ार सालों में हमारी संस्कृति खो जाएगी और विचारों म स्पष्टता, विचारों की शुद्धत से ही आ सकती है।

साक्षात्कार भी हुए:- सांची विश्वविद्यालय में आज चीनी भाषा के एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए इंटरव्यू भी आयोजित किए गए। 34 विद्यार्थियो ने इस पाठ्यक्रम में अपनी रुचि प्रदर्शित करते हुए फॉर्म भरे थे। इन इंटरव्यू में सम्मिलित होने के लिए [illegible]के जवान भी पहुंचे। इंटरव्यू के परिणाम जल्द ही विवि की वेबसाइट पर घोषित किए जाएंगे। गौरतलब है कि सांची विश्वविद्यालय के नए कुलपति यज्नेश्वर शास्त्री नियुक्त किए गए हैं और जल्द ही वो अपना पदभार ग्रहण करेंगे।

HINDUSTAN TIMES, BHOPAL
THURSDAY, JULY 28, 2016

New VC of Sanchi University

Prof. Yaqjneshwar Shastri became the new vice chancellor of SAnchi University. He has ample knowledge about Indian Tourism, religion and culture. He has edited 14 books related to tourism and culture. His name is there in more than 120 international research papers. He served as the HOD of Tourism Department of Gujrat University. He has done UG, PG AND Doctorate from Mumbai University.

168

सिटी
4 प्रदेश टुडे
भोपाल, शुक्रवार, 24 जून 2016

11 विदेशी छात्रों समेत 253 लोगों ने दी सांची विवि की प्रवेश परीक्षा

भोपाल। सांची विश्वविद्यालय द्वारा 18 जून को आयोजित की गई प्रवेश परीक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। एमए, एमएससी, एमफिल तथा पीएचडी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में आयोजित की गई इस परीक्षा में कुल 253 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए थे। इन परीक्षार्थियों के अलावा 11 विदेशी छात्रों

ने भी प्रवेश के लिए आवेदन दिए थे। इन विदेशी आवदकों में 9 वियतनाम, 1 यूएई तथा एक म्यांमार का छात्र है। इन विदेशी छात्रों को लिखित परीक्षा में शामिल होने से छूट दी गई थी। इन्हें चयनित परीक्षार्थियों के साथ मात्र मौखिक परीक्षा में शामिल होना होगा। 27 जून को एमए, एमएससी तथा एमफिल पाठ्यक्रम तथा 28 जून को पीएचडी पाठ्यक्रम के साक्षात्कार विश्वविद्यालय के बारला कैंपस में आयोजित किए गए हैं।

चयनित छात्रों को अपने दस्तावेजों के वेरीफिकेशन के लिए सुबह 8 बजे विवि कैंपस पहुंचना होगा। परीक्षा परिणामों के लिए विवि की वेबसाइट पर लॉग इन कर परिणाम देखे जा सकते हैं। साक्षात्कार के लिए विदेशी छात्रों की सूची को भी विवि की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विवि ने 18 जून को भोपाल के शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या महाविद्यालय में लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय द्वारा दो पालियों में साइकोमीट्री तथा मूल विषय में लिखित परीक्षा ली गई थी। साक्षात्कार के लिए चयनित होने के लिए प्रत्येक पेपर में 50 प्रतिशत अंक हासिल करने अनिवार्य थे।

दैनिक भास्कर
भोपाल, रविवार 19 जून, 2016 5

सांची विवि : योग में पीएचडी के लिए सबसे ज्यादा आवेदन

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए पीएचडी कोर्स में एडमिशन के लिए 243 आवेदन आए हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 57 आवेदन योग विषय में पीएचडी के लिए हैं। हालांकि पारंपरिक विषयों में शामिल हिंदी में पीएचडी के लिए 51 आवेदन हैं, लेकिन इसे छोड़ दिया जाए तो योग के बाद छात्रों ने पीएचडी के लिए सबसे ज्यादा रुचि बौद्ध अध्ययन में दिखाई है। इसके लिए 47 आवेदन आए हैं। बौद्ध अध्ययन में रिसर्च के लिए आवेदन करने वालों में 11 आवेदक विदेशी मूल के हैं, जो उत्तर-पूर्व देशों के हैं। इनमें ताइवान, म्यांमार, वियतनाम और सिंगापुर के आवेदक शामिल हैं।

पत्रिका 02
भोपाल . मंगलवार . 21.06.2016

सर्टिफिकेट कोर्स के आवेदन 30 तक

भोपाल. सांची बौद्ध विवि से चीनी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। विवि ने कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब 30 जून तक इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक अब तक 17 आवेदकों ने इसके लिए फार्म जमा किया है। आवेदक ज्यादा जानकारी विवि के पोर्टल से जानकारी ले सकते है।

दैनिक भास्कर, भोपाल
रविवार, 19 जून, 2016 2
यूटिलिटी न्यूज

चीनी भाषा-सर्टिफिकेट कोर्स के लिए 30 तक जमा होंगे आवेदन

भोपाल | सांची बौद्ध विवि ने चीनी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। आवेदक अब 30 जून तक इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। अभी तक करीब 17 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इस संबंध आवेदक विवि के पोर्टल www.sanchiuniv.org.in से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Hari Bhoomi 28-6-16

सांची विवि में आज होंगे पीएचडी के लिए सक्षात्कार

भोपाल। सांची विवि में पी.एच.डी पाठ्यक्रम के साक्षात्कार मंगलवार को विश्वविद्यालय के बारला कैंपस में आयोजित किए गए हैं। चयनित छात्रों को अपने दस्तावेजों के वेरीफिकेशन के लिए सुबह 8 बजे विश्वविद्यालय कैंपस पहुंचना होगा। परीक्षा परिणामों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉग इन कर परिणाम देखे जा सकते हैं। साक्षात्कार के लिए विदेशी छात्रों की सूची को भी विवि की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

The Hitavada
BHOPAL ■ Thursday ■ June 30 ■ 2016
8

ITBP jawans to learn Chinese language at Sanchi University

■ Staff Reporter

OFFICERS and jawans of Indo Tibet Border Police (ITBP) will learn Chinese language at Sanchi Buddhist and Indic Knowledge University, Sanchi. Four ITBP officers have been nominated to attend Chinese language course, which is beginning from July 2016. These include 3 inspectors and one officer of sub-inspector rank. The certificate course also includes teaching of Chinese Culture and Public behaviour along with Chinese language. Officers of 18th, 48th and 49th battalions of ITBP will undergo the course for next one year.

Indo Tibet Border Police guards Indo-China borders. ITBP jawans are deployed on various check-posts and borders from Karakoram pass upto Jachhep-La pass in Arunachal Pradesh. The jawans guards country's border in highly adverse conditions. Knowledge of language spoken in villages of China near the borders proves very useful for them.

So far, 24 candidates have applied for the course. It has total 20 seats and its last date is June 30. The university has fixed Rs 2,000 per semester as fee for the 2-semester course. No written exam for admission will be held in the university. Candidates have to appear in only interviews.

Number of visitors to and from China has increased considerably ever since China has emerged as major trade centre in the world during last 2 decades and business in India has witnessed tremendous growth. There are good job opportunities as bilingual translators with knowledge of Chinese language in embassies and multinational companies.

Apart from Chinese language, courses of MA, MSC, M Phil and PhD are also being started from this academic session in the university. Admission tests for these courses have been held on June 18 and interviews on June 28. Merit list will be released on June 30. Two other merit lists will be released on July 6 and 12. Admissions will begin from July 15 and session will commence from July 20.

चिकित्सा पद्धतियों का सेतु बनेगा सांची विवि का समन्वित चिकित्सा केंद्र

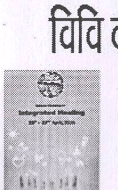

भोपाल। स्वस्थ, सुखी समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से संचालित सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों में एकरुपता बढ़ाने और समन्वित चिकित्सा की दिशा में नई पहल कर रहा है। अलग-अलग चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ विद्वान सांची विश्वविद्यालय के बारला परिसर में 26-27 अप्रैल की कार्यशाला में विचार-मंथन के

सांची विवि ने जारी किए पीएचडी, एमफिल के रिजल्ट

भोपाल (नप्र)। सांची विवि ने एमए, एमफिल और पीएचडी प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं। 18 जून को हुई परीक्षा में 253 छात्र शामिल हुए थे। 11 विदेशी छात्रों ने भी परीक्षा के लिए आवेदन किए थे। इनमें 9 वियतनाम, 1 यूएई तथा एक म्यांमार का छात्र है। इन विदेशी छात्रों को लिखित परीक्षा में शामिल होने से छूट दी गई थी। इन्हें चयनित परीक्षार्थियों के साथ मात्र मौखिक परीक्षा में शामिल किया जाएगा। एमए, एमएससी तथा एमफिल पाठ्यक्रम के लिए मौखिक परीक्षा 27 को और पीएचडी के लिए 28 जून को बारला कैंपस में होगी। चयनित छात्रों को अपने दस्तावेजों के वेरीफिकेशन के लिए सुबह 8 बजे विश्वविद्यालय कैंपस पहुंचना होगा। परीक्षा परिणामों के लिए विवि की वेबसाइट्.जचहबरैहैर्प.यिं.ह पर लॉग इन कर परिणाम देखे जा सकते हैं। साक्षात्कार के लिए विदेशी छात्रों की सूची को भी विवि की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विवि ने 18 जून को भोपाल के शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या महाविद्यालय में लिखित परीक्षा आयोजित

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | THURSDAY, JUNE 9, 2016

Sanchi varsity: Admission dates extended

Times News Network

Sanchi University of Buddhist - Indic Studies (SUBIS) has extended the last date of admission or various courses. Admission will now close on June 13.

Assistant director, public relations Sanchi University, Vijay Dubey said university has invited applications for MA, MPhil and PhD in Buddhist Studies, Indian Philosophy, Vedic Studies, Sanskrit, Yoga, Ayurveda, English and Hindi. "University is also offering MSc in Yoga and Holistic Healing. SUBIS has also invited application for certificate course in Chinese for which the date is extended till June 30," said Dubey.

> "Buddhist Studies is the most popular course amongst students and scholars"
>
> **Vijay Dubey** | Assistant director, public relations, Sanchi University

"Buddhist Studies course is the most popular amongst students and scholars," he said. Indian Philosophy, Sanskrit, Yoga and Ayurveda are also in very much demand.

Foreign students from Thailand, Myanmar, Taiwan, Singapore, Sri Lanka and UAE are also applied for various PhD and M.Phil courses, he claimed.

Chinese language is in very much demand all across the globe and SUBIS course for Chinese is unique in a sense that along with the language it will also teach Chinese art, culture and practices to have a better idea about the language.

The joint entrance examination for admission in various courses of SUBIS will take place on June June 18. Interested candidates with a basic qualification for the course can apply on the website www.sanchiuniv.org.in for admission. MA courses have 20 seats while MPhil courses have 10 seats each. Total 5 seats are there for every PhD course.

TIMES CITY
THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | MONDAY, JUNE 20, 2016

PhD: Yoga, Buddhism first pick over Vedic studies

Times News Network

Bhopal: Yoga and Buddhism are gaining popularity as a subject. A majority of those willing to pursue doctorate of philosophy (PhD) from Sanchi University opted for these two offbeat courses. Result of the entrance test, which was held recently, is likely to be declared in next couple of days.

Indian philosophy and Vedic studies, however, failed to find place in top four, considering the number of applications received by the university. For Indian philosophy, there were 19 applications, while only 10 aspired to pursue Vedic studies. One application each was rejected in both the courses.

Data suggested that university had received 243 applications for different courses. Highest number of applications was received for Yoga subject. In all, 57 candidates applied for Yoga. University accepted the application of 50 students.

Assistant director of Sanchi University (public relation), Vijay Dubey said, "There has been an overwhelming response from students in different subjects. Youths are keen to do PhD in Yoga, which stands a testimony to the growing popularity of the subject across the world."

STATUS OF APPLICATIONS

Subject	Applications	Accepted	Rejected
Yoga	57	50	07
Buddhist Studies	47	41	06
Hindi	51	48	03
Sanskrit	32	29	03
Indian Philosophy	19	18	01
Vedic Studies	10	09	01
Ayurved	16	00	00
English	11	10	01

For Buddhist studies, the university received 47 applications. As many as 41 candidates were allowed to appear in the entrance test.

Over reason of high number of applications in Buddhist studies, Dubey said, "Except Nagpur, there is no other good research institute for Buddhist studies. Bhopal has become an important research centre in Buddhist studies in the country."

Several students from technical fields, including computer science and others have also applied for pursing PhD in Buddhist studies. However, their applications were rejected.

"University rejected applications mainly for two reasons. Either they did not fulfil the minimum qualification marks or their post-graduation was in different subjects," Dubey stated. Applications were also received from other countries like Taiwan, Myanmar, Vietnam and Singapore.

भोपाल, रविवार 29 मई 2016 | रायसेन जिला | www.naidunia.com

भारत दर्शन में एमए की डिग्री देगा सांची विश्वविद्यालय'

आने वाले दिनों में वैकल्पिक शिक्षा का एक स्कूल भी खड़ा करेंगे

(ब्यूरो)। आगामी इस नए क सत्र से बारला स्थित सांची द्यालय भारत दर्शन में एमए ी देगा। ऐसा करने वाला देश रा विश्वविद्यालय होगा जहां र्शन में यह उपाधि दी जाएगी। ी दौर में विवि प्रबंधन ने 20 सीटे रखी है। बौद्ध दर्शन, संस्कृत, भारत दर्शन, अंग्रजी, योग़ा, आर्युवेद के डिग्री और चाईनीज लेंग्वेज के डिप्लोमा कोर्सेस में एडमिशन के लिए विवि ने जापान, कोरिया, थाईलेंड, मलेशिया, हांगकांग और श्रीलंका, वर्मा, व्यतनाम सहित अन्य कई देशों में प्रचार किया है। आने वाले दिनों में सलामतपुर के पास विवि के पूर्णत: स्थापित होने के बाद एक वैकल्पिक शिक्षा के स्कूल को भी खोलने का विचार विवि प्रबंधन कर रहा है। यह बात शनिवार को विवि के कुलपति डॉ.राजेश गुप्ता आईपीएस ने जानकारी देते हुए बताई।

रंग और संगीत से हीलिंग पद्धति के जानकार संपर्क में

डॉ.गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते दिनों 25 से 27 अप्रैल को विवि में राष्ट्रीय स्तर की इन्ट्रीग्रेटेड हीलिंग पद्धति पर कार्यशाला संपन्न हुई है। इसके बाद कई ऐसे लोगों से विवि का संपर्क हुआ है जो रंग और संगीत के माध्यम से हीलिंग पद्धति का ज्ञान रखते हैं, ऐसे लोगों को समय-समय पर यहां आमंत्रित कर वर्कशाप लगाई ज़ाएगी। उन्होंने फिलहाल शुरू हो रहे डिग्री और डिप्लोमा कोर्स के बारे में बताया कि विवि का यह पहला कदम है जब व्यापक स्तर पर कई कोर्स शुरू किए जा रहे है। उनका कहना था कि आगामी दिनों में कोर्स की संख्या और बढ़ जाएगी।

रायसेन। सांची विश्वविद्यालय के कुलपति राजेश गुप्ता आईपीएस नए कोर्सेस की जानकारी देते हुए।

दुनिया भर से विषय विशेषज्ञों को बुलाया जाएगा

कुलपति श्री गुप्ता ने बताया कि सभी कोर्स में बेहतर फैकल्टी की व्यवस्था तो विवि प्रबंधन ने की ही है लेकिन समय-समय पर दुनिया भर के विषय विशेषज्ञों को भी यहां बुलाकर विद्यार्थियों और शोधार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीएचडी, एमफिल, एमए कोर्स के लिए अब तक 85 आवेदन आ चुके है इनमें से लगभग 20 आवेदन विदेशों से आए है।

इंटक बौद्ध दर्शन पर किताब निकालने की तैयारी में

इंटक आगामी दिनों में बौद्ध दर्शन पर एक ऐसी किताब निकालने की तैयारी कर रही है जो सहजता से लोगों को उपलब्ध हो सके इसके लिए उन्होंने सांची विवि से भी बातचीत की है। इसके अलावा चाइनीज लेंग्वेज में डिप्लोमा के लिए आईटीबीपी ने संपर्क किया है जो अपने 5 सैंनिकों को इस भाषा में डिप्लोमा दिलाना चाहते हैं। डॉ.गुप्ता ने बताया कि जो भी लोग बुद्धिस्ट कल्चर पर और आर्कोलॉजी पर किसी प्रकार का रिसर्च करते है और विवि के संपर्क में आते है तो उन्हें पूरा सहयोग किया जाएगा।

बौद्ध विश्वविद्यालय में नए सत्र से कई पाठ्यक्रम में शुरू होगी पढ़ाई

शुरू हो रहे पीएचडी, एमफिल, एमए और सर्टिफिकेट कोर्स

भास्कर संवाददाता। रायसेन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में नए शिक्षा सत्र से एमए, एमफिल, पीएचडी एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की शुरुआत हो रही है। बारला गांव में संचालित विवि के कैंपस में इन पाठयक्रमों में अन्य छात्रों के साथ रायसेन और विदिशा के विद्यार्थियों को भी पढ़ाई के साथ शोध करने का मौका मिलेगा। इन पाठयक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप की सुविधा भी दिलाई जाएगी। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताया कि जो नए कोर्स प्रारंभ हो रहे है, उन्हें पढ़ाने के लिए विद्वान एवं प्रोफेसरों की व्यवस्था की गई है।

छह माह के भीतर शुरू होगा कामः सांची और सलामतपुर के बीच प्रस्तावित सांची विश्वविद्यालय के भवन का निर्माण कार्य छह माह के भीतर प्रारंभ हो जाएगा। श्री गुप्ता ने कहा कि इसका आर्किटेक्ट तैयार कर लिया गया है। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि यह भवन दो साल के भीतर बन कर तैयार हो जाए।

मिलेगी स्कॉलरशिप

- एमफिल में चयनित प्रत्येक छात्र को 8 हजार रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप
- पीएचडी में प्रत्येक छात्र को 14 हजार रुपए स्कॉलरशिप
- एमए पाठयक्रम में प्रवेश परीक्षा 80 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण तीन छात्रों को स्कॉलरशिप

बौद्ध विश्वविद्यालय में एमए, एमफिल और पीएचडी के लिए जो विषय निर्धारित किए गए है, उनमें बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, भारतीय दर्शन, योग एवं समग्र स्वास्थ्य विषय रहेंगे।

भोपाल . बुधवार . 29.06.2016 02

पत्रिका

QUICK news

चीनी भाषा कोर्स के आवेदन के लिए अंतिम दो दिन

भोपाल. सांची बौद्ध विवि ने चीनी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन के लिए आखिरी दो दिन बचे है। आवेदक अब 30 जून तक इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। अभी तक करीब कई आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदक विवि के पोर्टल से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रायसेन और विदिशा के छात्रों के लिए स्वर्णिम अवसर

पीएचडी, एमफिल, एमए एवं सार्टिफिकेट पाठ्यक्रम जुलाई 2016 से प्रारंभ

रायसेन। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय जुलाई 2016 से शुरु हो रहे अकादमिक सत्र से एमए, एमफिल, पीएचडी एवं सार्टिफिकेट पाठ्यक्रम की शुरुआत कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन पाठ्यक्रमों से रायसेन और विदिशा के छात्र, शोधार्थी लाभान्वित हो सकते हैं।

स्थानीय पत्रकारों के साथ भेंटवार्ता में विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सांची विवि के तमाम पाठ्यक्रमों में विश्वविख्यात विद्वान एवं प्रोफेसरों के द्वारा अध्यापन एवं व्याख्यान की व्यवस्था विश्वविद्यालय ने की है। इस तरह की व्यवस्था से स्थानीय छात्रों को विभिन्न विषयों के मूर्धन्य विद्वानों से पढ़ने एवं संवाद का अवसर प्राप्त होगा।

सांची विश्वविद्यालय एमफिल तथा पी.एच.डी पाठ्यक्रमों के लिए चयनित प्रत्येक छात्र को स्कॉलरशिप प्रदान करेगा। साथ ही एमए के प्रत्येक पाठ्यक्रम में चयनित होने वाले प्रथम तीन छात्रों को भी स्कॉलरशिप दी जाएगी। एमफिल में चयनित प्रत्येक छात्र को 8000 रूपये प्रतिमाह की स्कॉलरशिप, पीएचडी में चयनित प्रत्येक छात्र को 14000 रूपये प्रतिमाह की स्कॉलरशिप,पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा में 80 प्रतिशत अंकों से चयनित प्रथम तीन छात्रों को स्कॉलरशिप, प्रत्येक पाठ्यक्रम में गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले प्रथम 3 छात्रों को स्कॉलरशिप जिन्होंने प्रवेश परीक्षा में 70 प्रतिशत अंक पाए हों।

इन पाठ्यक्रमों में मिलेगा दाखिला

एमए पाठ्यक्रम में बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, भारतीय दर्शन, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, हिंदी एवं अंग्रेजी,एमफिल पाठ्यक्रम में बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, भारतीय दर्शन, योग, आयुर्वेद, हिंदी एवं अंग्रेजी, पीएचडी में शोध कार्य बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, भारतीय दर्शन, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, आयुर्वेद, हिंदी एवं अंग्रेजी, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में सार्टिफिकेट कोर्स चाईना लेंगवेज उपलब्ध है।

सिटी

2 प्रदेश टुडे भोपाल, रविवार, 10 जुलाई 2016

सांची विवि में साधारण परिषद की बैठक संपन्न

भोपाल। मुख्यमंत्री निवास में सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में कई विषयों पर विचार एवं नीतिगत निर्णय हुए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा की गई एवं अकादमिक सत्र के पाठ्यक्रमों एवं भावी

कार्यक्रमों पर संतुष्टि व्यक्त की गई। साधारण परिषद में भारतीय दर्शन परिषद एवं प्दकपंद चीपसवेवचीपबंस ब्वदहतमे का सम्मेलन सांची विश्वविद्यालय में कराए जाने के साथ ही अक्टूबर 2016 में चतुर्थ धर्म-धम्म सम्मेलन करने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया। साधारण परिषद ने विवि के कुलाधिपति श्री समदोंग रिनपोचे का कार्यकाल पूरा होने के उपरांत नए कुलाधिपति का नाम सुझाने हेतु सर्च कमेटी बनाने का भी निर्णय किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के प्रवेशए फीस एवं छात्रवृत्तिए परीक्षा एवं हॉस्टल से जुड़े नियमों को मंजूरी दी गई।

भोपाल | रविवार | 10 जुलाई 2016 नया इंडिया

192

सांची विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक संपन्न

रायसेन। मुख्यमंत्री निवास में सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में कई विषयों पर विचार एवं नीतिगत निर्णय हुए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा की गई एवं अकादमिक सत्र के पाठ्यक्रमों एव भावी कार्यक्रमों पर संतुष्टि व्यक्त की गई। विवि के कुलाधिपति समदोंग रिनपोचे का कार्यकाल पूरा होने के उपरांत नए कुलाधिपति का नाम सुझाने हेतु सर्च कमेटी बनाने का भी निर्णय किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के प्रवेशए फीस एवं छात्रवृत्तिए परीक्षा एवं हॉस्टल से जुड़े नियमों को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री ने दूसरे देशों के अध्ययन केंद्र हेतु विवि को आवंटित भूमि से लगी हुई 20 एकड़ अतिरिक्त भूमि को जल्द उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। सांची विवि की दिशानिर्देशन इकाई होने के नाते साधारण परिषद की बैठक में कई अमूल्य सुझावों पर भी चर्चा हुई। बैठक में वित्त मंत्री जयंत मलैया, अपर मुख्य सचिव वित्त एपी श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तवए प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आशीष उपाध्याय, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के चेयरमैन प्रो.एस आर भट्ट, श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बेनगल उपतिस्स नायक थैरो ए नार्वे बुद्धिस्ट सोसायटी के एगिल लोथे एव प्रो. कपिल कपूर सम्मिलित हुए।

भोपाल ■ 10 जुलाई 2016 सुबह सवेरे | रविवार 03

193

अक्टूबर में होगा अंतर्राष्ट्रीय धर्म सम्मेलन

सुबह सवेरे, भोपाल

सॉंची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आगामी अक्टूबर माह में आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अधिकतम आयु सीमा के बंधन को समाप्त कर योग्यता के आधार को प्राथमिकता दी जाएगी।

यह निर्णय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में लिए गए। बैठक में वित्त मंत्री जयंत मलैया भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि श्रीलंका द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्थापित किया जाएगा।बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों के लिए अंशदायी पेंशन योजना लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद द्वारा शैक्षणिक शुल्क एवं छात्रवृत्ति नियम, प्रवेश परीक्षा नियम, परीक्षा नियम और होस्टल संचालन नियम का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी द्वारा दिये गये पेनल को राज्यपाल को अनुशंसा की गई। बैठक में प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट, डॉ. कपिल कुमार, डॉ. एगिल लोथ आदि उपस्थित थे।

सांध्य प्रकाश 5

भोपाल, रविवार 10 जुलाई 2016

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन अक्टूबर में

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सॉंची बौद्ध विश्वविद्यालय की बैठक

भोपाल। सॉंची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आगामी अक्टूबर माह में किया जाएगा। विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अधिकतम आयु सीमा के बंधन को समाप्त कर योग्यता के आधार को प्राथमिकता दी जायेगी। यह निर्णय यहाँ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न सॉंची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में लिये गये। बैठक में वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया भी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि श्रीलंका द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्थापित किया जायेगा। इस संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री का पत्र मुख्यमंत्री श्री चौहान को वेन.बनागला उपतिस्सा नायके थेरो ने सौंपा। बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों के लिये अंशदायी पेंशन योजना लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय की कार्य-परिषद द्वारा शैक्षणिक शुल्क एवं छात्रवृत्ति, प्रवेश परीक्षा, परीक्षा और होस्टल संचालन नियमों का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिये सर्च कमेटी द्वारा दिये गये पेनल की राज्यपाल को अनुशंसा की गयी।

बैठक में परिषद के सदस्य प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट, डॉ. कपिल कुमार, डॉ. एगिल लोथ, अपर मुख्य सचिव वित्त ए.पी. श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आशीष उपाध्याय, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एस.के. मिश्रा और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता भी उपस्थित थे।

रविवार, 10 जुलाई 2016 पेज-3 नया इंडिया

अक्टूबर में होगा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन

भोपाल ■ नया इंडिया

मध्यप्रदेश के सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन अक्टूबर में आयोजित किया जायेगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह निर्णय आज यहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में लिये गये। बैठक में वित्त मंत्री जयंत मलैया भी उपस्थित थे।

बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अधिकतम आयु सीमा के बंधन को समाप्त कर योग्यता के आधार को प्राथमिकता दी जायेगी। बैठक में बताया गया कि श्रीलंका द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्थापित किया जायेगा। इस संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री का पत्र चौहान को सौंपा गया है। बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों के लिये अंशदायी पेंशन योजना लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद द्वारा शैक्षणिक शुल्क एवं छात्रवृत्ति नियम, प्रवेश परीक्षा नियम, परीक्षा नियम और हॉस्टल संचालन नियम का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिये सर्च कमेटी द्वारा दिये गये पैनल को राज्यपाल को अनुशंसा की गयी। बैठक में साधारण परिषद के सदस्य प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट, डॉ. कपिल कुमार, डॉ. एंगिल लोथ, अपर मुख्य सचिव वित्त ए. पी. श्रीवास्तव, संस्कृति के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव, उच्च शिक्षा के प्रमुख सचिव आशीष उपाध्याय, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एस.के मिश्रा और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल भोपाल, रविवार, 10 जुलाई 2016

फैसले मुख्यमंत्री निवास पर हुई बैठक में हुए कई निर्णय

सांची विवि की साधारण परिषद की बैठक संपन्न

निज संवाददाता

रायसेन। मुख्यमंत्री निवास में सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में कई विषयों पर विचार एवं नीतिगत निर्णय हुए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा की गई एवं अकादमिक सत्र के पाठ्य क्रमों एवं भावी कार्य क्रमों पर संतुष्टि व्यक्त की गई। विवि के कुलाधिपति समदोंग रिनपोचे का कार्यकाल पूरा होने के उपरांत नए कुलाधिपति का नाम सुझाने हेतु सर्च कमेटी बनाने का भी निर्णय किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के प्रवेश फीस एवं छात्रवृत्ति परीक्षा एवं हॉस्टल से जुड़े नियमों को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री ने दूसरे देशों के अध्ययन केंद्र हेतु विवि को आवंटित भूमि से लगी हुई 20 एकड़ अतिरिक्त भूमि को जल्द उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। सांची विवि की दिशानिर्देशन इकाई होने के नाते साधारण परिषद की बैठक में कई अमूल्य सुझावों पर भी चर्चा हुई। बैठक में वित्त मंत्री जयंत मलैया, अपर मुख्य सचिव वित्त एपी श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तवए प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आशीष उपाध्याय, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के चेयरमैन प्रो.एस आर भट्ट, श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बेनगल उपतिस्स नायक थैरो ए नार्वे बुद्धिस्ट सोसायटी के एगिल लोथे एवं प्रो. कपिल कपूर सम्मिलित हुए।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन अक्टूबर में

भोपाल (काप्र)।

साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आगामी अक्टूबर माह में आयोजित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अधिकतम आयु सीमा के बंधन को समाप्त कर योग्यता के आधार को प्राथमिकता दी जायेगी। यह निर्णय आज यहाँ मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न साँची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में लिये गये। बैठक में वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि श्रीलंका द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्थापित किया जायेगा। इस संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री का पत्र मुख्यमंत्री श्री चौहान को वेन.बनागला उपतिस्सा नायके थेरो ने सौंपा। बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों के लिये अंशदायी पेंशन योजना लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद द्वारा शैक्षणिक शुल्क एवं छात्रवृत्ति नियम, प्रवेश परीक्षा नियम, परीक्षा नियम और होस्टल संचालन नियम का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिये सर्च कमेटी द्वारा दिये गये पेनल को राज्यपाल को अनुशंसा की गयी।

बैठक में साधारण परिषद के सदस्य प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट, डॉ. कपिल कुमार, डॉ. एंगिल लोथ, अपर मुख्य सचिव वित्त एपी श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव संस्कृति श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आशीष उपाध्याय, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एसके मिश्रा और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता भी उपस्थित थे।

नव भारत

सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में योग्यता के आधार को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री चौहान की अध्यक्षता में सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की बैठक

भोपाल, 9 जुलाई, नभासं. साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आगामी अक्टूबर माह में आयोजित किया जायेगा. विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अधिकतम आयु सीमा के बंधन को समाप्त कर योग्यता के आधार को प्राथमिकता दी जायेगी.

यह निर्णय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न साँची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में लिये गये. बैठक में वित्त मंत्री जयंत मलैया भी उपस्थित थे. बैठक में बताया गया कि श्रीलंका द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्थापित किया जायेगा. इस संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री का पत्र मुख्यमंत्री चौहान को वेन.बनागला उपतिस्सा नायके थेरो ने सौंपा.

बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों के लिये अंशदायी पेंशन योजना लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया. विश्वविद्यालय की कार्य परिषद द्वारा शैक्षणिक शुल्क एवं छात्रवृत्ति नियम, प्रवेश परीक्षा नियम, परीक्षा नियम और होस्टल संचालन नियम का अनुमोदन किया गया. विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिये सर्च कमेटी द्वारा दिये गये पेनल को राज्यपाल को अनुशंसा की गयी.

बैठक में साधारण परिषद के सदस्य प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट, डॉ. कपिल कुमार, डॉ. एंगिल लोथ, अपर मुख्य सचिव वित्त ए.पी. श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा आशीष उपाध्याय, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एस.के. मिश्रा और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता भी उपस्थित थे.

युग प्रदेश

भोपाल,रविवार 10 जुलाई 2016

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन अक्टूबर में आयोजित होगा

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आगामी अक्टूबर माह में आयोजित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अधिकतम आयु सीमा के बंधन को समाप्त कर योग्यता के आधार को प्राथमिकता दी जायेगी। यह निर्णय आज यहाँ मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में लिये गये। बैठक में वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि श्रीलंका द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्थापित किया जायेगा। इस संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री का पत्र मुख्यमंत्री श्री चौहान को वेन.बनागला उपतिस्सा नायके थेरो ने सौंपा। बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों के लिये अंशदायी पेंशन योजना लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद द्वारा शैक्षणिक शुल्क एवं छात्रवृत्ति नियम, प्रवेश परीक्षा नियम, परीक्षा नियम और होस्टल संचालन नियम का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिये सर्च कमेटी द्वारा दिये गये पेनल को राज्यपाल को अनुशंसा की गयी।

भोपाल, 10 जुलाई 2016

दबंग दुनिया

www.dabangdunia.co

खास.खबर

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन अक्टूबर में

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन अक्टूबर में किया जाएगा। विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अधिकतम आयु सीमा के बंधन को समाप्त कर योग्यता के आधार को प्राथमिकता दी जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की बैठक में कही।

02 नवदुनिया

भोपाल, रविवार 10 जुलाई 2016

सांची विवि में खुलेंगे श्रीलंका, भूटान के अध्ययन केंद्र

भोपाल (नप्र)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में श्रीलंका, भूटान, सिंगापुर, थाइलेंड सहित अन्य देशों के अध्ययन केंद्र खुलेंगे। इनके लिए सरकार ने विवि को सलामतपुर तिराहे के पास जमीन आवंटित कर दी है।

शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई साधारण परिषद की बैठक में यह निर्णय हुआ। बैठक में तय हुआ है कि चौथा अंतराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन अक्टूबर में होगा। बैठक में असिस्टेंट प्रोफेसर्स की नियुक्ति में आयु सीमा के बंधन को खत्म कर योग्यता के आधार पर नियुक्ति करने के प्रस्ताव पर सहमति बनी है।

6 पत्रिका

patrika.com

भोपाल, रविवार

10.07.2016

नियुक्ति के लिए उम्र बाधा नहीं

भोपाल. सांची विश्वविद्यालय में कोई यदि योग्य है, तो कितनी भी अधिक उम्र का होगा, उसे सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति मिल सकेगी। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इसी की बैठक में उम्र के बंधन को समाप्त करने का ऐलान किया।

www.jagranmp.com/epaper

भोपाल, 10 जुलाई 2016

दैनिक जागरण 04

योग्यता से सांची विवि में नियुक्त होंगे सहायक प्राध्यापक

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अब उम्र की बाध्यता नहीं होगी। इसमें योग्यता को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शनिवार को विवि की साधारण परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया। विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए अंशदायी पेंशन योजना लागू करने का प्रस्ताव भी मंजूर कर दिया गया। साथ ही तय किया गया कि अंतराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन अक्टूबर में आयोजित किया जाएगा।

TheHitavada

BHOPAL ■ Sunday ■ July 10 ■ 2016

2

International *Dharma-Dhamma* Conference in October

Chief Minister Chouhan chairs General Council meeting of Sanchi Buddhist University.

■ **Staff Reporter**

THE Sanchi University of Buddhist-Indic Studies will be organising an International Dharma-Dhamma Conference in October. The upper age limit for appointment of Assistant Professors in the University will be done away with and expertise will be given priority. It was decided by the General Council of the University its meeting chaired by the Chief Minister Shivraj Singh Chouhan on Saturday. The Minister for Finance, Jayant Malaiya was also present. The meeting was informed that a study center will be established at the University by Sri Lanka. A letter of the Prime Minister of Sri Lanka in this regard was handed over to the Chief Minister by Ven Banagla Uptissa Naike Thero. The meeting also approved a proposal about contributory pension scheme for the employees of the university. The academic fees, scholarship rules, entrance examination rules, examination rules and hostel rules were also approved. The panel for appointment of the post of university Vice Chancellor submitted by the search committee has also been sent for recommendation of the Governor.

The General Council member Professor Sidhdheshvar Rameshwar Bhat, Dr Kapil Kumar, Dr Agil Loath, Additional Chief Secretary Finance A P Shrivastava, Principal Secretary Culture Manoj Shrivastava, Principal Secretary Higher Education Ashish Upadhyay, Principal Secretary to CM S K Mishra and Rajesh Gupta, Registrar, were present.